कुमार जीवन - 8

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **अपनी स्मृति को पावरफुल बनाने से वृत्ति और दृष्टि स्वत: ही पावरफुल बन जायेंगी।** फिर यह कुमार ग्रुप क्या बन जायेंगे? अनुकुमार अर्थात् अनोखे। हरेक के दो नयनों से दो स्वरूप का साक्षात्कार होगा। कौन से दो स्वरूप? सुनाया था ना कि निराकारी और दिव्यगुणधारी। फरिश्ता रूप और दैवी रूप। हरेक ऐसे अनुभव करेंगे वा हरेक से ऐसा अनुभव होगा जैसे कि चलता फिरता लाइट हाउस और माइट हाउस हो। ऐसे अपने स्वरूप का साक्षात्कार होता है? जब 5000 वर्ष की बात को कैच कर सकते हो, अनुभव कर सकते हो तो इस अन्तिम स्वरूप का अनुभव नहीं होता है? अभी जो कुछ कमी रह गई है वह भरकर ऐसे अनुभवी मूर्त बनकर जायेंगे।

➳ _ ➳ तो देखना कभी कोई कमी न रह जाये। भट्ठी से ऐसा परिवर्तन कर के जाना, जैसे कभी-कभी सतयुगी आत्माऐं जब प्रवेश होती हैं तो उन्हों को इस पुरुषार्थी जीवन का बिल्कुल ही नालेज नहीं होता। ऐसे **आप लोगों को कमज़ोरियों और कमियों की नालेज ही मर्ज हो जाये।** इसके लिए विशेष इस ग्रुप को दो बातें याद रखनी है। दो बातें दो शब्दों में ही हैं। **एक गेस्ट हाउस, दूसरा गेट आउट अर्थात् बाहर निकालना है और आगे के लिए अन्दर आने नहीं देना है।** दूसरा इस पुरानी दुनिया को सदैव गेस्ट हाउस समझो। फिर कभी कमजोरी वा कमी का अनुभव नहीं करेंगे। सहज पुरुषार्थ है ना। इस ग्रुप को कमाल कर दिखानी है इसलिए **सदैव लक्ष्य रखना है कि अब फिर 21 जन्म के लिए रेस्ट करना है। लेकिन अभी एक सेकण्ड में भी मन्सा, वाचा, कर्मणा सर्विस से रेस्ट नहीं। तब ही बेस्ट बनेंगे।** समझा।

➳ _ ➳ क्योंकि यह है हार्ड वर्कर ग्रुप। हार्ड वर्कर ग्रुप में रेस्ट नहीं। कभी रेस्ट नहीं करता और वेस्ट नहीं करता। इसलिए इस हार्ड वर्कर्स ग्रुप वा रुहानी सेवाधारी संगठन को सेवा के सिवाए और कुछ सूझे ही नहीं। यह है नाम का काम। यह भी याद रखना - सेवा प्रति स्वयं को ही आफर करना है तब बाप दादा से आफरीन मिलेगी।

➳ _ ➳ हार्ड वर्कर्स वा रुहानी सेवाधारी ग्रुप को सदैव यह सलोगन याद रखना है। समाना और सामना करना हमारा निशाना है। यह है इस ग्रुप का सलोगन। सामना माया से करना है न कि दैवी परिवार से। समाना क्या है? अपने पुराने संस्कारों को समाना है। नालेजफुल के साथ-साथ पावरफुल भी बनना है तब ही सर्विसएबुल बनेंगे। अच्छा।

➳ _ ➳ तिलक समारोह देख राजतिलक समारोह याद आता है? अभी यह तिलक सम्पूर्ण स्थिति में रहने के लिए है। फिर मिलेगा राजतिलक। यह तिलक है प्रतिज्ञा और प्रत्यक्षता का तिलक। इतनी पावर है? रुहानी सेवाधारी ग्रुप के लिए यह खास शिक्षा दे रहे हैं। अपने को जितना अधिकारी समझते हो उतना ही सत्कारी बनो। पहले सत्कार देना फिर अधिकार लेना। सत्कार और अधिकार दोनों साथ-साथ हो। अगर सत्कार को छोड़ सिर्फ अधिकार लेंगे तो क्या हो जायेगा? जो कुछ किया वह बेकार हो जायेगा। इसलिए दोनों बातों को साथ-साथ रखना है। **(09.12.1970)**

➢➢ तीन मुख्य बातें

➳ _ ➳ गेस्ट हाउस

→ यह दुनिया है

→ गेस्ट हाउस में <u>किसी से attachment नहीं</u>

→ बस थोड़े समय के लिए ही यहाँ रुकते हैं

→ अपना काम होते ही चले जाते हैं

→ कभी पीछे मुड़कर नहीं देखते

→ अनासक्त रहते हैं

→ जिस कार्य के लिए आये हैं... वही ध्यान रहता है... इधर उधर बुधी नहीं भटकती है

→ स्पष्ट स्मृति रहती है की <u>मैं गेस्ट हूँ</u>

- दुसरे भी गेस्ट हैं

→ समष्ट स्मृति रहती है की "मुझे यहाँ से जाना है"

→ यहाँ कोई मेरा अपना नहीं है

- किसी से नए सम्बन्ध नहीं बनाना
- नए बंधन निर्माण करना बेहोशी की अवस्था है

→ गेट्स हाउस में रहते हुए भी अपने घर की स्मृतियाँ आती रहती हैं

→ यहाँ पर किसी को दुख नहीं देना है

→ किसी के Personal Matter में involve नहीं होना है

→ अपनी यादगार बनाकर जाना है

→ अपना stay enjoy करना है

→ मेरेपन का भाव नहीं होगा

→ हँसते गाते हिसाब किताब चुक्तु करके जाएगा

→ चीज़ों का संग्रह नहीं करेगा

→ यहाँ की कोई वस्तु मेरे साथ नहीं जायेगी

→ उसका सामन हमेशा Packed रहेगा

→ बहुत ज़रुरत का समान होगा उसके पास... उसके अलावा extra कुछ नहीं

→ कुछ अच्छी चीज़ें देकर जाएगा

→ कुछ नयी बातें सीख कर जाएगा

→ सभी को सम्मान देगा

→ परिस्थितियों का सामना करेगा

→ व्यक्तियों को समाएगा

→ <u>Adjusting Nature होगा</u>

→ <u>Flexible Nature होगा</u>

→ No Complaints Nature

- दुखी होना ? या सुखी होना है ? - Choice Is Yours

→ बाजू वाले कमरे में क्या चल रहा है ? इससे उसे कोई लेना देना नहीं

→ न्यारा और प्यारा होकर रहता है

→ No Competition With Anyone

→ ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे

- कोई विकर्म हो जाए
- दुखदाई स्मृतियाँ Create हो
- पश्चाताप करना पड़े

→ गेस्ट हाउस वालों के दिल में यादगार बन जाए

- वो हमारे वापिस आने का Wait करें

➽ _ ➽ गेट आउट

→ माया के संस्कारों को

➽ _ ➽ रेस्ट हाउस

→ 21 जन्म rest करने का लक्ष्य रखना है